श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2017-2018

Internal Quality Assurance Cell

आन्तरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद

(प्रथम बैठक)

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, की गठित आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद् शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं को उत्तम गुणवत्ता युक्त प्रभावी शिक्षा प्रदान करने, उनका सर्वांगींण विकास करने, अध्यापक शिक्षा को बहुआयामी विकास कर उसके स्तर को बढ़ाने में निरन्तर प्रत्यनशील है । इस परिषद में निम्नलिखित सदस्य है–

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य, मैनेजमेन्ट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्ता)
4. श्री महावीर प्रसाद त्रिपाठी (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. श्री शरद कुमार रजनी (अभिभावक प्रतिनिधि)
6. डॉ अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
7. डॉ ललिता एस. धुप्या (संयोजक)
8. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
9. डॉ. शशि पाण्ड्ेय (सदस्य)
10. डॉ. गुजंन (सदस्य)
11. डॉ. निर्मला तापड़िया (सदस्य)
12. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
13. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
14. श्रीमती चन्द्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
15. श्री रतन चन्देल (कार्यालय प्रशासक)
16. श्री नैना सोनी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 29.09.2017 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की गई । प्राचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और कहा कि इस परिषद् का मूल उद्देश्य स्टॉफ द्वारा छात्राध्यापिकाओं की सत्र पर्यन्त सभी

Scanned with CamScanner

गतिविधियों को प्रभावी ढंग से सम्पन्न करवाना है, तथा वर्ष 2017–2018 में प्रारम्भ होने वाले पाठ्यक्रम बी.ए.बी.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम के बारे में अवगत करवाया । तत्पश्चात् डॉ.धुप्या ने 2016–2017 की गतिविधियों पर प्रकाश डाला और कहा कि–

1. सत्र 2016–2017 में बी.एड. द्वितीय वर्ष की वार्षिक सैद्वान्तिक परीक्षा 16 मई 2017 से 10 जुलाई तक तक सम्पन्न करवाई गई ।
2. इस वर्ष का प्रथम प्रवेश कार्य बी.एड. 3 जुलाई से तथा 17.07.2017 से 31.07.2017 तक बी.ए.बी.एड. की छात्राओं का हुआ होने तथा शैक्षणिक कार्य 20.07.2017 से प्रारम्भ किया गया । शैक्षणिक कार्य का प्रारम्भ अनुस्थापन कार्यक्रम (Orientation Programme) से किया गया जिसमें छात्राओं को बी.एड. दो वर्षीय पाठ्यक्रम व बी. ए.बी.एड. एकीकृत चार वर्षीय पाठ्यक्रम के बारे में समझाया गया ।
3. वर्षभर की गतिविधियों का सुसंचालन विभिन्न कमेटियों के माध्यम से व्यवस्थित तरीके से किया जाएंगा ।
4. पुस्तकालय में नवीन दो वर्षीय पाठ्यक्रम के अनुरूप शीघ्र पुस्तकें छपने पर मंगवाई जाएंगी तथा बी.ए.बी.एड. की पुस्तकें भी अतिशीघ्र मंगवाई जाएंगी ।
5. महाविद्यालय में समय–2 पर योग कक्षाएँ लगवाई गई तथा वृक्षारोपण भी पर्यावरण सुरक्षा व संरक्षण की दृष्टि से किया गया ।
6. छात्राओं की समस्याओं का समाधान शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के माध्यम से किया जाता है ।
7. महाविद्यालय के विकास हेतु छात्रा–परिषद का विधिवत गठन भी किया जाता हैं ।
8. महाविद्यालय की भौतिक सुविधाओं के विकास हेतु समय–समय पर ध्यान दिया जाता हैं जिसके अन्तर्गत कक्षाओं में हवा व प्रकाश की समुचित व्यवस्थाएँ, पर्याप्त मात्रा में सफेद बोर्ड लगे कमरे, छात्राओं हेतु कामन रूम की व्यवस्था, स्वच्छ व शीतल जल सविधा हेतु शौचालय आदि उपलब्ध है ।
9. प्रभावी निर्देशन व परामर्श कमेटी का गठन किया गया है जिसके माध्यम से छात्राओं को मार्ग दर्शन किया जाता है उनकी केस स्टेडी कर समस्या समाधान हेतु उचित परामर्श दिया जाता है ।
10. आई.सी.टी. के उपयोग पर पर्याप्त बल दिया जाता है
11. विभिन्न विषयों के क्लब का गठन किया गया जिसमें विभिन्न गतिविधियॉ संचालित की गई–सामाजिक अध्ययन क्लब, भाषा क्लब, विज्ञान क्लब, गृह विज्ञान क्लब आदि
12. महाविद्यालय में स्थापना कमेटी (Placement Cell) भी स्थापित की गई जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं को रोजगार दिलाने में मदद की जाती हैं ।

Scanned with CamScanner

13. समय–2 पर बाहरी शिक्षाविदो, विशेषज्ञों को बुलाकर प्रसार व्याख्यान व कार्य शालाओं का आयोजन किया जाता है ।

सभी सदस्यों ने उपरोक्त कियाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर आगामी वर्ष में महाविद्यालय के आंतरिक कार्यो के उन्नयन हेतु निम्न तथ्यों पर प्रकाश डाला–

1. इस सत्र में प्रवेश कार्य देरी से होने तथा द्विवषीय बी.एड.पाठ्यक्रम के अनुरूप पर्याप्त पुस्तकें न होने व चार वर्षीय बी.ए.बी.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम प्रारम्भ होने से शिक्षण प्रकिया पर अधिक ध्यान देने व उसे अधिक प्रभावी बनाने को कहा गया ।
2. छात्राओं के प्रायोगिक कार्य के अन्तर्गत एक सप्ताह के निरीक्षण कार्य को प्रभावी बनाया जाएं तथा विद्यालयों की अन्य गतिविधियों A- एक माह की प्रीइन्टर्नशीप B- चार माह की इन्टर्नशीप की विभिन्न गतिविधियों के बारे में छात्राओं को भी प्रकार से प्रशिक्षण दिया जाएं ।
3. महाविद्यालय गतिविधियों को संचालन सत्र भर की पूर्व योजना निर्धारित कर उसके अनुरूप किया जाएँ ताकि कोई भी गतिविधियॉ सम्पन्न होने से रह न जाएँ
4. सामुदायिक गतिविधियों को संचालन किया जाए ताकि महाविद्यालय समाज की अपेक्षाओं को भी पूरा करने सक्षम हो ।
5. छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं जैसे नेट, स्लेट तथा यू.जी.सी. की परीक्षाओं के बारे में प्रोत्साहित किया जाए ।
6. महाविद्यालय की छात्राएँ विश्वविद्यालय वरीयता सूची के स्थान प्राप्त कर सके इस हेतु शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाने के प्रयास किये जाए ।
7. छात्राओं को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ सहशैक्षिक अन्य गतिविधियों में ज्यादा से ज्यादा भाग लेने को प्रोत्साहित किया जाएं ।
8. महाविद्यालय स्टॉफ को दूसरे महाविद्यालयों के सेमीनार, कार्यशालाओं में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया ।
9. समय–समय पर स्टॉफ सदस्यों का निरीक्षण कर उनके नैतिक मूल्यों के विकास पर भी ध्यान दिया जाएं ।

अंत में प्राचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी को इन सुझावों को अपनाने का आश्वासन देकर महाविद्यालय के कार्यो की गुणवत्ता को सुधारा जाएगा तथा महाविद्यालय को अधिकाधिक विकास की ओर अग्रसर किया जाएगा यह कहकर सबको धन्यवाद दिया और मीटिंग को समाप्त किया ।

Scanned with CamScanner

I.Q.A.C. Session 2017-2018

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

द्वितीय बैठक

आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद् (I.Q.A.C.) Session 2017-2018 की द्वितीय मीटिंग दिनांक 16 फरवरी 2018 को आयोजित हुई उसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे –

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री महावीर प्रसाद त्रिपाठी (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री शरद कुमार रजनी (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुपिया (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती हंसा भुवालिया (सदस्य)
14. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
15. श्री रतन चन्देल (कार्यालय सहायक)
16. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय सहायक)

सर्वप्रथम प्राचार्या जी ने सभी का स्वागत किया तथा सत्र् 2017–2018 में मींटिग से पूर्व सम्पन्न हुए कार्यो की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि –

1. विश्वविद्यालय के नियमानुसार महाविद्यालय में सम्पन्न होने वाली सभी गतिविधियां निर्धारित महाविद्यालय पंचांग के अनुरूप संचालित की गई।
2. शिक्षण अभ्यास को अधिक प्रभावी बनाने हेतु विद्यालयों के प्राचार्यो से छात्राओं को निर्देशन दिया जाने लगा तथा विषयाध्यापक भी मार्गदर्शन करने लगे है।
3. विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों के अनुसार महाविद्यालय में अन्तर सदनीय प्रतियोगिताएं सम्पन्न करवाई गई। अन्य महाविद्यालय में होने वाली इन प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की छात्राओं

Scanned with CamScanner

ने एथेलेटिक्स, वाद विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया तथा स्थान प्राप्त कर पारितोषिक प्राप्त किए है।

4. बी.ए., बी.एड. प्रथम वर्ष की आंतरिक मूल्यांकन हेतु प्रथम सामयिक परीक्षा आयोजित करवाई गई तथा ओरल प्रजेण्टेशन तथा सत्रीय कार्य छात्राओं को आंवटित कर उनका मूल्यांकन कार्य सम्पन्न करवाया जा रहा है।
5. सभी विषयों में लगभग 85 प्रतिशत पाठ्यक्रम पूरे हो गए है और शेष पढ़ाये जा रहे है।
6. प्राचार्या द्वारा स्टाफ सदस्यों के कार्यो का समय –समय पर निरीक्षण किया जाता है जैसे छात्राओं के मौखिक प्रदर्शन का, सूक्ष्म शिक्षण कक्षाओं का, प्रदर्शन पाठो का, नियमित कक्षा शिक्षण का आदि, तथा इन्हें अधिक प्रभावी बनाने हेतु समय–समय पर निर्देश भी दिये जाते है।
7. शिक्षण अभ्यास का कार्य शाला दर्पण के अनुसार 4 अक्टूम्बर से प्रारम्भ होकर फरवरी माह तक कुल 96 कार्य दिवसों में पूर्ण होगा अब केवल आन्तरिक व बाह्य प्रायोगिक परीक्षा ही सम्पन्न करवानी शेष रही हैं ।
8. छात्राओं को दिसम्बर माह तक सभी विषयों के सत्रीय कार्य आवंटित कर दिये गये है।
9. महाविद्यालय में 24.11.2017 को प्रसार व्याख्यान का आयोजन भी किया गया है। सामुदायिक गतिविधियों के अन्तर्गत हमने नुक्कड़ नाटक का आयोजन करवाया गया, छात्राओं को मूक बधिर विद्यालय और सोना मन्द बुद्धि विकास केन्द्र का भ्रमण करवाकर उन बालकों के शैक्षणिक व मनोरंजनात्मक गतिविधियों से अवगत करवाया गया।
10. साम्प्रदायिक सद्भाव संस्थान को इस वर्ष भी सहयोग राशि एकत्र कर भिजवाई गई।
11. छात्राओं को पुस्तकालय का लाभ उठाने हेतु दो–दो कार्ड दे दिये गये है तथा नए सत्र में नवीन पाठ्यक्रम के अनुरूप कई पुस्तके मंगवाई गई तथा बी.ए.बी.एड. पाठ्यक्रम की पुस्तके भी मंगवाई गई।
12. प्रथम वर्ष की छात्राओं के एक सप्ताह की कला व सौन्दर्य से संबंधित वर्क शॉप भी आयोजित करवाई गई। जिसमें चित्रकला, संगीत व नाट्यकला का प्रदर्शन किया गया।
13. सांस्कृतिक व साहित्यिक प्रतियोगिताएं अब करवानी है खेलकूद संबंधी कुछ प्रतियोगिताएं फरवरी माह के दूसरे सप्ताह के तीन दिनों में सम्पन्न करवाई गई है।
14. आंतरिक मूल्यांकन का एक परख हो चुका है और द्वितीय परख ग्रीष्मावकाश से पूर्व करवाया जाएगा।
15. शैक्षणिक कार्यो के अन्तर्गत नियमित कक्षाओं के साथ–साथ ऑपन एयर सेशन, एस.यू.पी.डब्ल्यू. कार्य शेष है। इन्हें मार्च माह में करवा दिये जाएंगे।

इन क्रियाओं की जानकारी के साथ ही इस मीटिंग में आगे विकास करने हेतु अन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु चर्चा की गई जो इस प्रकार से है –

1. महाविद्यालय में आगामी सत्र में छात्राओं के प्रवेश हेतु कोई परेशानी न आएं इस हेतु उत्तम व्यवस्था की जाए।
   सामान्य जानकारी व पूछताछ हेतु अलग से काउण्टर की व्यवस्था की जाएं।
2. महाविद्यालय में विभिन्न क्षेत्र के विद्वानों को आमंत्रित कर प्रसार व्याख्यानों के साथ–साथ कार्य शालाओं (work shop) और राष्ट्रीय सेमिनारों का भी आयोजन करवाया जाएं।
3. प्रायोगिक परीक्षा के स्तर को सुधारने हेतु विशेष अध्ययन कर छात्राओं को उचित निर्देशन देकर मार्ग प्रदर्शन किया जाएं।
4. छात्राओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करने व कुशल अध्यापिका बनाने हेतु उचित मानवीय गुणों का विकास करने हेतु अन्य गतिविधियां संचालित की जाएं।

Scanned with CamScanner

5. विश्वविद्यालय परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से बिना किसी व्यवधान के सम्पन्न हो सके इस हेतु उचित व्यवस्था की जायेगी।
6. पूर्व छात्राओं और नई छात्राओं में मेल–जोल हो वे कॉलेज की जानकारियों से अवगत हो सके, विकास को उन्मुख करने में मदद कर सके इस हेतु भूतपूर्व छात्रा परिषद का संगठन किया गया उसकी मीटिंग बुलाई जाएंगी जिसमें उनका गेट टूगेदर कर सांस्कृतिक साहित्यिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।
7. महाविद्यालय की प्रगति, संचालन इत्यादि के बारे में अभिभावकों से भी जानकारी प्राप्त की जाएं ताकि स्वयं के मूल्यांकन में मदद मिल सके तथा भावी योजनाओं का प्रभावी निर्माण हो सके।
8. महाविद्यालय पत्रिका प्रतिभा के आगे प्रकाशन हेतु छात्राओं व स्टाफ के आर्टिकल एकत्रित किए जाएंगे।

उपरोक्त बिन्दुओं पर ध्यान देकर भविष्य में उन्हें अमल में लाने का आश्वासन देने के पश्चात् मीटिंग में उपस्थित सभी सदस्यों का संयोजक ने धन्यवाद प्रेषित कर मीटिंग को समाप्त किया।

Scanned with CamScanner